विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग दशम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता:-११/०७/२०२०षष्ठ:पाठ:सुभाषितानि

बेस्ड आन एन. सी.इ.आर.टी. पैटर्न्स

•श्लोक : मृगा मृगैः सङ्गमनुव्रजन्ति ,

गावश्च गोभिः तुरगास्तुरङ्गैः।

मूर्खाश्च मूर्खैःसुधियः सुधीभिः ,

समान-शील -व्यसनेषु सख्यम्।।

•अन्वयः- मृगाः मृगैः ,गावश्च गोभिः , तुरगाः तुरङ्गैः , मूर्खाः मूर्खैः , सुधियः सुधीभिः , सङ्गम् अनुव्रजन्ति ।सख्यम् समान -शील – व्यसनेषु (भवति) ।

•शब्दार्थाः

मृगाः-हिरण , गोभिः -गायों के साथ , सुधीभिः-विद्वानों के साथ ,

मृगैः सङ्गम् – हिरणों के साथ , तुरगाः - घोड़े , समान शील -समान व्यवहार ,

अनुव्रजन्ति - पीछे-पीछे चलते हैं , तुरगैः - घोड़ों के साथ , व्यसनेषु – स्वभाव वालों में

गावः - गायें , सुधियः - विद्वान लोग , सख्यम् – मित्रता

•अर्थ- मृग (हिरण) मृगों (हिरणों) के साथ पीछे-पीछे चलते हैं , गायें गायों के साथ , घोड़े घोड़ों के साथ , मूर्ख मूर्खों के साथ तथा बुद्धिमान बुद्धिमानों के साथ जाते हैं ।(क्योंकि)समान व्यवहार और स्वभाव वालों में (परस्पर/आपसी) मित्रता होती है।